10/12/2020

नए संसद भवन का शिलान्यास समारोह

- **आज देश के लिए गौरव का दिन है। भारत के लोकतंत्र की मजबूती के स्तंभ संसद के नए भवन के शिलान्यास के अवसर पर मैं समस्त देशवासियों का अभिनंदन करता हूं।**

- **लोकतंत्र की 70 वर्षों की यात्रा में भारत के नागरिक न्याय, स्वतंत्रता, पंथ निरपेक्षता, समता, एकता, अखण्डता और बंधुत्व की भावना के प्रति संकल्पित रहे हैं।**

- **हमारे वर्तमान संसद भवन का निर्माण 1927 में केंद्रीय लेजिस्लेटिव एसेंबली के रूप में हुआ जिसे अब 93 वर्ष हो चुके हैं। हमारी संसद लोगों के विश्वास और आकांक्षाओं का प्रतीक है। संसद भवन देश की आजादी, संविधान की रचना और अनेक ऐतिहासिक कानूनों के निर्माण का साक्षी भी रहा है।**

- **लोकतंत्र के बढ़ते स्वरूप ने संसद और सांसदों का उत्तरदायित्व बढ़ाया है। भविष्य में हमारे संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने के लिए वर्तमान भवन में विस्तार की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में एक नए संसद भवन की आवश्यकता है।**

- **संसद के दोनों सदनों के माननीय सदस्यों की यह इच्छा थी कि विश्व के सबसे बड़े कार्यशील एवं जीवंत लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण हो, जो भारतीय संस्कृति की विविधता समेटते हुए भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा कर सके।**

- **पिछले साल 5 अगस्त को संसद के दोनों सदनों ने माननीय प्रधानमंत्री जी से संसद के नए भवन के निर्माण के लिए आग्रह किया था। हमारे देश का लोकतंत्र परिपक्व हो चुका है।**

- **हम आजादी के 75 वर्ष पूर्ण करने जा रहे हैं। नए भारत में विकास के नए आयाम भी हमने तय किए हैं। देश की जनता का सपना है कि उन्हें संसद का एक नया और आधुनिक भवन मिले।**

- **माननीय सांसदों एव सदन की भावनाओं को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने नए संसद भवन के निर्माण की स्वीकृति दी और आज वह शुभ दिन आया है जब उनके कर-कमलों से नए संसद भवन का भूमिपूजन और शिलान्यास हो रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने संसद के दोनों सदनों की भावनाओं का सम्मान किया, इसके लिए मैं उनका आभार प्रकट करता हूं।**

- **मुझे विश्वास है कि हम जल्द ही आधुनिक तकनीकयुक्त, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल नए संसद भवन का निर्माण कार्य पूर्ण करने में सफल होंगे, जहां जनप्रतिनिधि जनता की आशाओं, अपेक्षाओं और उम्मीदों को कुशलता और दक्षता से पूरा कर पाएंगे।**

- भारत विश्व का सबसे बडा लोकतंत्र है। हमारे संवैधानिक मूल्य और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं विश्व के लिए आदर्श हैं जिसे देखने और समझने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं।
- संसद का नया भवन देश के सभी प्रांतों की उत्कृष्ट कला, संस्कृति और विविधताओं से परिपूर्ण होगा और सभी देशवासियों की प्रेरणा का केंद्र होगा।
- इस अवसर पर मैं माननीय राष्ट्रपति जी तथा माननीय उपराष्ट्रपति जी को धन्यवाद देता हूँ जिनके आशीर्वचन तथा प्रेरणादायी सन्देश हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते हैं।
- मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का पुनः आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने आज 'नए आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत' की संसद के नए भवन की नींव रखी है। मेरी कामना है कि यह भवन पूरे विश्व को अनादि काल तक संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों का आदर्श संदेश देता रहे।